हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

7

जबलपुर, मंगलवार 17 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

नाबालिग के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं जुर्माना

मण्डला। माननीय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) एक्ट जिला मण्डला द्वारा आरोपी धनेश धूमकेती पिता मनसूक धूमकेती उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम ग्यारहडोंगरी थाना बिछिया जिला मण्डला को धारा 03 सहपठित धारा 4(1) पॉक्सो एक्ट में 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं कुल 2000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोजन कहानी संक्षिप्त में इस प्रकार है, दिनांक 28.08.2022 को अभियोक्त्री उम्र 17 वर्ष में अपने माता पिता के साथ थाना बिछिया में उपस्थित होकर इस आशय का लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया कि दिनांक 27.08.2022 को शाम करीब 05:30 बजे वह गांव में खेत से गायों को लेकर घर आ रही थी तभी अभियुक्त धनेश धूमकेती जामुन के पेड़ के पीछे छिपा हुआ था, वह जैसे ही जामुन के पेड़ के पास पहुंची तभी अभियुक्त धनेश ने पीछे से आकर कसकर उसे पकड़ लिया और जमीन पर गिरा दिया वह चिल्लाई पर आस-पास कोई नही था, अभियुक्त धनेश ने उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया उसने छुडाने की कोशिश की और चिल्लाई लेकिन कोई नही आया उसने अभियुक्त से एक हाथ छुडाया और पास में पड़े पत्थर से अभियुक्त को मारा तब अभियुक्त ने उसे छोडा और फिर तुरंत घर तरफ भागी तब अभियुक्त ने उसे धमकी दी कि किसी को बतायी तो वह उसे जान से खत्म कर देगा वह जल्दी से घर आई और घटना की सारी बात अपने माता-पिता, भाई-बहन व भाभी को बतायी तथा बारिश होने और रात होने के कारण वह रिपोर्ट नही कर सकी तथा आज अपने माता-पिता के साथ रिपोर्ट करने आई है। अभियोक्त्री के उक्त रिपोर्ट के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना बिछिया द्वारा अपराध क्रमांक 291/2022 अंतर्गत धारा 376, 506 भा०दं०सं० एवं 3,4 पॉक्सो एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर संपूर्ण विवेचना के उपरांत अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्क से सहमत होते हुये विचारण उपरांत माननीय विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) एक्ट जिला मण्डला द्वारा आरोपी धनेश धूमकेती पिता मनसूक धूमकेती उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम ग्यारहडोंगरी थाना बिछिया जिला मण्डला को दोषी पाते हुये उक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में अभियोजन की ओर से अभियोजन संचालन सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी विजय अहिरवार के द्वारा की गई है।

मण्डला के तत्वाधान में खेली जा रही दक्षिण क्षेत्र जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025

बालाघाट ने बैतूल और छिंदवाड़ा ने बुरहानपुर को दी मात

*** आज होगा मंडला व सिवनी और जबलपुर व रायसेन का मुकाबला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सोमवार को महात्मा गांधी स्टेडियम मंडला में म.प्र. फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल संघ, मण्डला के तत्वाधान में खेली जा रही दक्षिण क्षेत्र जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत दो मैच खेले गए। पहला मैच बालाघाट व बैतूल के बीच खेला गया जबकि दूसरा मैच बुरहानपुर और छिंदवाड़ा के मध्य खेला गया। बालाघाट ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए बैतूल को 3/0 से मात दी। बालाघाट की तरफ से तीनों गोल मैच के पहले हॉफ में ही आए। मोहम्मद शादाब ने खेल 6वें मिनिट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। खेल के 18वें मिनिट में कुणाल केरई ने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल किया। मैच के 32वें मिनिट में फिर मोहम्मद शादाब ने गोल कर बालाघाट को 3/0 की निर्णायक बढ़त दिला दी जो खेल की समाप्ति तक कायम रही।

दूसरा मैच छिंदवाड़ा और बुरहानपुर के बीच खेला गया। इस मैच में छिंदवाड़ा ने बुरहानपुर को 1 के मुकाबले 3 गोल से हरा दिया। छिंदवाड़ा की तरफ से धनंजय, मिहिर दुबे और प्रिंस साहू ने गोल किया। बुरहानपुर की तरफ से एक मात्र गोल नैतिक ने किया। 17 जून 2025 दिन मंगलवार को दोपहर 2:30 पर मेजबान मंडला का मुकाबला सिवनी से होगा। दूसरा मुकाबला शाम 4:00 जबलपुर और रायसेन के मध्य खेला जाएगा।

इस दौरान सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, भाजपा नगर अध्यक्ष रानू राजपूत, हॉकी मंडला के सचिव सैयद कमर अली, जिला फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, स्वामी शारदात्मानंद, चंद्रेश खरे, मतीन खान, सुरेंद्र मिश्रा, राजेंद्र कुमार सिंगौर 'पंचू' सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में पंकज उसराठे, मुजवी हसन, देवेंद्र सरोते, बासु सिंधिया, प्रथम चौकसे, कुशल भवेदी सहित विभिन्न खेल प्रेमी उल्लेखीनय भूमिका का निर्वहन कर रहे है।

टीएल प्रकरणों का समय-सीमा में करें निराकरण-सीईओ जिला पंचायत

*** जिला योजना भवन में विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला योजना भवन में समय-सीमा तथा विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने टीएल प्रकरणों की प्रकरणवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग प्रमुख टीएल प्रकरणों को गंभीरता से लें, स्वयं फॉलोअप करते हुए समय सीमा में टीएल प्रकरणों का निराकरण कराएं। उन्होंने जनभागीदारी, भवनविहीन आंगनवाड़ी, बीपीएल सूची, जल भूमि पर अतिक्रमण जैसे विषयों की चर्चा करते हुए कहा कि इनसे संबंधित टीएल प्रकरण प्राथमिकता से निराकृत कराएं। उच्च न्यायालय के अवमानना के प्रकरण के संबंध में समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि समस्त संबंधित जिला अधिकारी प्रत्येक अवमानना प्रकरण के कम्पलाईंस कराते हुए कोर्ट में प्रतिवेदन जमा करें। प्रतिवेदन पावती की एक कॉपी जिला शाखा में जमा कराना सुनिश्चित करें। रिट पिटिशन के प्रकरणों में समय पर समुचित जवाब माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करें। संबंधित जवाब की एक प्रति जिला शाखा में अनिवार्य रूप से जमा कराएं।

सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ने कहा कि जिला की ग्रेडिंग जारी होने में बहुत कम समय बचा है इसलिए सभी विभाग प्रमुख प्राथमिकता से मई माह की शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करें। 50 दिवस से अधिक समय से लम्बित शिकायतों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इससे विभागों की रैंकिंग पर विपरीत असर पड़ता है इसलिए इन शिकायतों को गंभीरता से लें। समग्र ईकेवाईसी के संबंध में उन्होंने कहा कि इस सप्ताह भी पिछले सप्ताहों की तरह ही कैम्प लगाकर समग्र ईकेवाईसी का कार्य कराएं। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड के इंडीकेटर्स के संबंध में कहा कि सभी इंटीकेटर्स को ध्यान से पढ़ें और अपने बेसिस प्वाईंट बढ़ाकर स्कोर बेहतर करें। बैठक में ई-ऑफिस, ग्रीष्म अवकाश के बाद स्कूल खुलने, अमानक खाद-बीज के विक्रय पर कार्यवाही, जल गंगा संवर्धन अभियान, सीडबाल पौधारोपण, ब्लड डोनेशन कैम्प सहित अंतर्विभागीय बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अरविंद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, समस्त एसडीएम एवं सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

बलाई नदी में डंपर गिरने से एक की मौत

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज में नेशनल हाईवे 30 में नारायणगंज के पास बलाई नदी में डंपर गिर जाने से डंपर चालक की मौत हो गई मृतक पहलाद गौड पिता जेठूलाल गौड़ निवासी मानेगांव थाना बरगी जिला जबलपुर उम्र 30 वर्ष यह घटना सुबह 4:00 बजे की है पुलिस द्वारा स्थानीय गोताखोर एवं मंडला से एस डीआर एफ की टीम की कार्रवाई कर मृतक को बाहर निकाला गया अभी तक डंपर नदी में ही पड़ा है क्रेन को बुलाकर ट्रक निकल जाएगा तभी ट्रक क्रमांक एवं अन्य जानकारी मिल सकेगी डंपर में समान था कि नहीं यह जानकारी नहीं मिल सकी।

आर्या शुक्ला को किया गया सम्मानित

मण्डला। तमिलनाडु में आयोजित 25वीं सब-जूनियर नेशनल वुशू चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रोंज मेडल जीतकर न केवल मंडला, बल्कि मध्यप्रदेश का भी नाम रौशन करने वाली मंडला नगर की बेटी आर्या शुक्ला की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। सोमवार को महात्मा गांधी स्टेडियम मंडला में म.प्र. फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल संघ, मण्डला के तत्वाधान में खेली जा रही दक्षिण क्षेत्र जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 के दौरान सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, भाजपा नगर अध्यक्ष रानू राजपूत, हॉकी मंडला के सचिव सैयद कमर अली व स्वामी शारदात्मानंद द्वारा शॉल और श्रीफल भेंट कर आर्या को सम्मानित किया गया। बता दे कि आर्य वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश शुक्ल की पोती व अधिवक्ता सोमेश शुक्ला की बेटी है।

संगठन सृजन संबंधित कांग्रेसियों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

कल संगठन_सृजनअभियान के अंतर्गत मंडला जिले के नारायणगंज में केंद्रीय पर्यवेक्षक श्रीमति चारूलता टोकस, जिला संगठन प्रभारी श्रीमती किरण अहिरवार, जिला कांग्रेस अध्यक्ष एड राकेश तिवारी, विधायक चैन सिंह बरकड़े, पूर्व विधायक डॉ अशोक मर्सकोले ने कांग्रेसजनों के साथ बैठक कर संगठन को सशक्त बनाने हेतु सार्थक संवाद किया। जिसमें संगठन को कैसे एक मजबूत ढांचे में परिवर्तित किया जा सकता है को लेकर चर्चा हुई उक्त कार्यक्रम में नारायणगंज के समस्त मंडलम अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष बीएलए ब्लॉक अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी जिला उपाध्यक्ष मंगानलाल सोनी रघुनंदन विश्वकर्मा मल्लू मरावी जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस अशोक पटेल नरेश सोनी विपिन सोनी हिरदेश साहू पंकज साहू संदीप सोनी सुमित सोनी रमेश विश्वकर्मा सुनील मालगाम भाव सिंह कुंजाम मुकेश सोनी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्देश

जिला शिक्षा अधिकारी मंडला ने जारी किए थे स्पष्ट निर्देश।

प्रदेश के भीतर विद्यालय स्थानांतरण पर नहीं लगेगा प्रति हस्ताक्षर

*** विद्यार्थियों के हित में शिक्षा विभाग की पहल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जिला मण्डला

विद्यार्थियों के हित में जिला शिक्षा अधिकारी मंडला द्वारा 12 जुलाई 2019 को जारी किए गए आदेश के अनुसार, अब प्रदेश (मध्यप्रदेश) के भीतर विद्यालय स्थानांतरण के लिए स्थानांतरण प्रमाणपत्र (Transfer Certificate - TC) पर प्रतिहस्ताक्षर (Countersignature) की आवश्यकता नहीं होगी।

इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई विद्यार्थी प्रदेश के भीतर किसी भी जिले के किसी भी विद्यालय में प्रवेश लेता है, तो स्थानांतरण प्रमाणपत्र पर संकुल प्राचार्य या जिला शिक्षा अधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर कराना अनिवार्य नहीं है।

वहीं, प्रतिहस्ताक्षर केवल उन विद्यार्थियों के लिए आवश्यक होंगे जो मध्यप्रदेश से बाहर किसी अन्य राज्य में स्थित विद्यालय में प्रवेश ले रहे हैं। यह व्यवस्था शिक्षा संहिता 1974 के अध्याय-3, कंडिका 46 के अंतर्गत लागू की गई है।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय ने यह आदेश शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को तत्काल प्रभाव से पालन हेतु भेजा है। इसके अंतर्गत सभी संकुल प्राचार्य, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, स्त्रोत समन्वयक एवं विद्यालय प्राचार्य/प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया है कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें, ताकि छात्रों एवं उनके अभिभावकों को अनावश्यक रूप से कार्यालय या संकुल केंद्रों के चक्कर न लगाने पड़ें।

हालांकि, यह देखा जा रहा है कि इस आदेश के बावजूद कई विद्यालयों में अब भी पुरानी परंपरा के अनुसार प्रतिहस्ताक्षर की मांग की जा रही है, जिससे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जरूरत है कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय इस आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पुनः पहल करे और सुनिश्चित करे कि कोई भी विद्यार्थी या अभिभावक अनावश्यक रूप से प्रतिहस्ताक्षर के लिए परेशान न हो। आदेश की पुनः याद दिलाना और निगरानी तंत्र को सक्रिय करना इस दिशा में सार्थक कदम होगा।

इनका कहना है :-

स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी) मे प्रदेश के अन्दर वाले जिले मे प्रवेश लेने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर आवश्यक नही है। प्रदेश के बाहर प्रवेश लेने पर जिला अधिकारी के हस्ताक्षर आवश्यक है।

-एम एस सेंद्राम, सहायक संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी मण्डला

साइबर संबंधी शिकायतों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

साइबर संबंधी शिकायतों पर थाने स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडला पुलिस द्वारा एक दिवसीय साइबर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के प्रथम सत्र में जिले के थानों से आए पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं साइबर नोडल डेस्क के कुल 25 पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक एवं आरक्षक शामिल रहे। प्रशिक्षण में सभी अधिकारियों को CFCFRMS पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने एवं त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला के दौरान उपस्थित अधिकारियों को लाइव प्रेजेंटेशन के माध्यम से पोर्टल संचालन एवं दस्तावेज अपलोड करने की व्यावहारिक ट्रेनिंग प्रदान की गई। साथ ही, यह सुनिश्चित किया गया कि सभी शिकायतों पर समय सीमा में कार्रवाई कर पोर्टल पर अपडेट किया जाए। साथ ही, NCRP पोर्टल के माध्यम से होल्ड की गई राशि पीड़ितों को वापस दिलाने की प्रक्रिया तथा इसमें थाने स्तर पर की जाने वाली आवश्यक कार्यवाही के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण सत्र साइबर अपराध से जुड़े मामलों में पुलिस की दक्षता बढ़ाने और नागरिकों को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में मंडला पुलिस की एक सराहनीय पहल है।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ियों में मंगल दिवस योजना बदहाल

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ अपने गंतव्य स्थानो पर पहुंचा तो दी जाती है, किन्तु उसके संचालन के लिए जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाती है वे पूरी तरह से लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है। कुछ ऐसा ही जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र की अनेक आंगनवाड़ियो मे देखने को मिल रहा है। जहां मंगल दिवस योजना अमंगल दिवस बनती हुई नजर आ रही है? दर असल आंगनवाडी केन्द्रो मे पोषण आहार योजनार्तगत हर माह के मंगलवार के दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। किन्तु इन कार्यक्रमो में भी जमकर पलीता लगाते हुए जान पड़ रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में जन चर्चाओं के माध्यम से मिल नही जानकारियों के अनुसार अनेक आंगनवाड़ियों में यह योजनाए बराबर संचालित नही होती है, जिसमें देखा जावे तो सबसे दयनीय हालत ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के आंगनवाडी केन्द्रों की है जहां न तो विभाग के अधिकारी और न ही कोई कर्मचारी निरीक्षण करने पहुंचता है? ऐसे में नाम मात्र की कार्रवाई कर दी जाती है। इन आंगनवाडियों की स्थिति की सच्चाई पर गौर किया जाए तो वे बदहाल स्थिति से जूझ रही है न वहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही सामान रखने की है। वही कुछ आंगनवाडी भवनों की हालत जर्जर हो चुकी तो कुछ टूटे मकानों में संचालन हो रहा है। इस तमाम बातो पर ध्यान तो ऐसे में योजनाओं का संचालन कैसा होगा यह स्वयं सिद्व है, पर्याप्त मात्रा में आने वाली राशि कब और किधर जा रही है इसका कोई पता भी नही, जिन कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए उसके लिए सामग्री भी नही मिलती ओर मिलती भी है तो गायब हो जाती है। आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चो, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं की देखभाल और उनके स्वास्थ्य मे सुधार लाने के लिए जो तैयारियां की गई है उसमे दिल चस्पी ना तो आंगनवाड़ियो की कार्यकर्तता और सहायिकाओं में है और ना ही अधिकारियों मे, आंगनवाडियों मे मंगल दिवस योजना पोषण आहार योजना वर्ष 2007-08 के तहत बनाई गई है, जिसके तहत हर माह के मंगलवार को अलग अलग कार्यक्रम करना है, प्रथम मंगलवार को गोद भराई, दूसरे मे अन्न प्राशन, तीसरे मे जन्म दिवस और चौथे मंगलवार को किशोर बालिका दिवस मनाना है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चो की उपस्थिति बढ़ाना, सुरक्षित प्रसव, मातृ एवं शिशु मृत्युदर मे कमी कुपोषण कम करना, किशोरी बालिकाओ को आयरन फोलिक ऐसिड व डी वार्मिग की गोलिया वितरण करना है। मंगल दिवस योजना का क्रियान्वयन बराबर न होने से संबंधित क्षेत्रो में भी लोगो को इन केंद्रो पर भरोसा उठ रहा है, बदहाल और बच्चो को बराबर ध्यान न दिए जाने के चलते यहां कार्रवाई होना निहायत जरूरी हो गई है।

जमीन और नलकूप घर में होने के बाद भी गरीबों की सूची में नाम?

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। शासन की योजनाओं में मनमानी करना अधिकारियो का आदत में बनता जा रहा है, क्योंकि सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनका भला करने की सोच रखी हुई है, मगर उन योजनाओं का लाभ गरीबों को मिलने की जगह इस प्रकार के लोगों को उठाते हुए देखा जा रहा है जो पूर्ण रूप से साधन संपन्न है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चावरपाठा अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है। जहां पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा गरीबी रेखा व अति गरीबी रेखा सूची में बरती गई लापरवाही के चलते जहां पात्र लोगों के नाम तो नही जुड़े है, किन्तु अपात्रों के नाम अवश्य जोड़ दिये गये है। जिनके पास अपने खेतों में नलकूप सहित ट्रेक्टरों से लेकर सभी प्रकार के साधन उपलब्ध है, इस प्रकार से गौर किया जावे तो गरीबों को मिलने वाले हक का उपयोग अपात्र व प्रभावशाली लोग आसानी से उठाते हुए देखे जा रहे है, जबकि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के बाद भी गरीब रोजी रोटी की तलाश में भटकने के लिए मजबूर हो रहे है।

तपती धूप में खेल दिखा कर बच्चे अपना पेट पालने के लिए हो रहे मजबूर
दुकानों सहित अन्य प्रतिष्ठानों में दिन रात हो रहा बाल श्रमिकों का शोषण

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

जहां एक ओर सरकार द्वारा मासूम बच्चों को पढ़ाई से लेकर अन्य सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर अनेक प्रकार की योजनाएं तो चलाई जा रही है। मगर इसके बाद भी जब लोग बच्चों को होटलों सहित अन्य जगहों पर काम करने के आलवा अपना व परिवार का पेट पालने के लिए खेल दिखा कर पैसा एकत्र करते हुए देखा जाता है तो निश्चित तौर से शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर सबाल खड़े होने से नही चूक पाते है..? वही दूसरी ओर इस प्रकार की सच्चाई को देखकर लोग यह बात हाने से नही चूकते है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं के नाम पर हर वर्ष सरकारों द्वारा बजट तो खर्च किया जा रहा है। मगर इसके बाद भी मासूमो की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है तो फिर वह बजट जा कहा रहा है यह एक चिंता जनक सच्चाई उजागर होने से नही चूक पा रही है...? यदि गौर किया जावे तो शासन द्वारा जहां 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी भी प्रकार का काम कराने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रकार से बाल श्रम को रोकने के लिए उठाये गये कानूनी कदम विफल साबित होने के साथ मात्र कागजों पर ही सफल होते हुए दिखाई देने से नही चूक रहे है..? जिन मासूम बच्चों के हाथो मे कलम और स्लेट होनी चाहिए थी आज उनके हाथो मे चाय का गिलास और होटलों की प्लेटों सहित अपनी जिन्दगी को खतरे में डालने के साथ अपना पेट पालने के लिए मेहनत करते हुए आसानी से देखे जा सकते है? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि शादी के सीजन हो या फिर अन्य कोई समारोह के दौरान बाल श्रमिकों को पानी पिलाते और पानी की टंकियों को भरते और शादी खत्म होने के बाद वर्तन साफ करते और बाद मे गद्दे, कुर्सी उठाते हुए देखा जा सकता है। क्योंकि गरीबी व अशिक्षा और तंगी के कारण कम उम्र के बच्चों को मजदूरी करने मजबूर होना पड़ रहा है, जो सुबह से लेकर देर रात तक आयोजनों से लेकर होटलों व आयोजनों में काम करते देखे जाते है। बालश्रम को रोकने के लिये बनाये गये कानून के बावजूद दिन प्रतिदिन बाल श्रमिकों की संख्या मे वृद्धि हो रही है। वही देखा जाता है कि शहरों से लेकर क्षेत्र के कस्बों में इस प्रकार से मासूम बच्चे रोजगार को तलाशते ऐसे नन्हे कदम गांवों से शहरों की ओर बढ रहे है। इस तरह बालश्रमिकों की संख्या मे वृद्धि होने का एक मात्र प्रमुख कारण गरीबी और अशिक्षा बताया जा रहा है, इतना ही नही बाल श्रम कानून के ढीले पड़नें के कारण शहरों से लेकर गांव गांव खुले हुए ढाबों, होटलों और लॉजों के मालिकों द्वारा इन मासूमो का खुलेआम आर्थिक व शारीरिक शोषण करने में भी कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, इतना ही नही अनेकों बार तो इस प्रकार की सच्चाई देखने मिलती है कि काम करते वक्त यदि किसी मासूम के हाथ से क्षति पहुंच जाती है तो उसे पीटने के साथ साथ उसे प्रदान किये जाने वाली चंद रूपयो में भी कटौती कर दी जाती है? विगत कुछ वर्ष पूर्व शासन द्वारा पुलिस प्रशासन के माध्यम से अभियान मुस्कान की शुरूआत कराई गई थी जिसमें दुकानों सहित अन्य जगहों पर काम करने वाले मासूम बच्चों को पुलिस द्वारा ले जाकर उनसे काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही थी। मगर बताया जाता है कि यह अभियान मात्र चंद दिनों के लिए खाना पूर्ति करते हुए समाप्त हो गया और वह मासूम बच्चे फिर पूर्व की तरह दुकानों होटलो व शादी समारोहों के साथ साथ सड़को पर अपनी जिन्दगी को खतरे में डालते हुए पेट पालने के लिए अनेक प्रकार के खेलत दिखाते हुए नजर आने लगे है? इस बात की सच्चाई शहरों के साथ साथ अब गांवों में भी आसानी से देखने मिल सकती है कुछ इसी प्रकार का नजारा बीते हुए दिवस उस समय देखने मिला जहां पर एक मासूम बच्ची एक लकड़ी पर अपने पेट के भर लेटकर काफी ऊचाई पर पहुंचकर अनेक प्रकार के खेल दिखा रही थी? जिसको देखने वाले कुछ पल के लिए तो खुश होकर ताली बचाते हुए उसे दस पांच रूपया तो प्रदान कर देते है। मगर इस सच्चाई को देखकर सबाल यह उठता है कि यदि इस प्रकार वह मासूम बच्ची इतनी उचाई से गिर गई तो उसकी जिन्दगी का क्या होगा? शायद भीड के बीच खडे.किसी भी व्यक्ति व नगर के अधिकारियों द्वारा नही सोचा गया होगा? इस प्रकार से मासूमों का खेल देखने वाली भीड़ में अधिकारियों से लेकर वह नेता भी शामिल रहते है जो आये दिन मंचों से मासूमों का भविष्य सुधारने की बात तो कहते हुए दिखाई देते है। मगर उनके भाषण सिर्फ मंचों तक ही सीमित रहने का ही परिणाम है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेकों योजनाओं के बाद भी अनेक बच्चों शिक्षा से दूर दिखाई पड़ रहे है, जबकि सरकारी आकड़ो में देखा जावे तो इन बच्चों के नाम पर खर्च होने वाली राशि से इन बच्चों की जगह अनेक नेताओं व अधिकारियों को जरूर लाभ मिलने में कोई कसर बाकी नही रह रही है?

बच्चों का पोषण आहार खाकर आखिर कौन हो रहा मोटा, अभिभावकों को पता ही नहीं क्या मिलता है मासूमों को...?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

शासन द्वारा बच्चों का अच्छा भरण पोषण हो सके इसके लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है, मगर इसके बाद समीपस्थ जनपद पंचायत चीचली सांईखेड़ा के अंतर्गत अनेक गांवो में देखा जावे तो वह लगातार पिछड़ रहें है। क्षेत्र मे संचालित अधिकांश सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के चलते इतनी फजीहत है कि शासन की मंशा कही से किसी कीमत मे पूरी होती नही दिखती है..? भ्रष्टाचार ने सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को ऐसा पलीता लगाया जा रहा है कि योजनाये जहां दम तोड रही है जिसके चलते अनेक हितग्राही योजनाओं का लाभ पाने वाले भटकते हुए देखे जा रह है..? क्षेत्रवासियों का जनचर्चाओं में आरोप है कि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की उन तक तब जानकारी बहुचती है जब या तो वह पूरी हो चुकती है या फिर उनमें आई राशि खत्म हो जाती है? ऐसी एक नही अनेक योजनाएं है जिनका कागजों से हटकर हकीकत में आम लोगों लाभ मिलना चाहिए मगर नही मिल पा रहा है, जिसमें अनेक योजनाएं तो महिला बाल विकास के हबाले से जो भ्रष्टाचार व अनियामितताओं का शिकार होते हुए देखी जा रही है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पोषण आहार योजना की जो दुर्दशा होते हुए देखी जा रही है जिसे देखकर शहर में ही सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों मे इस योजना का क्या हाल होगा..? हरिभूमि ने जब क्षेत्र के कुछ ग्रामीण क्षेत्र के पोषण आहार केन्द्रों और कुछेक आंगनवाड़ी केन्द्रों का भ्रमण करते हुए इसकी सच्चाई का पता किया गया तो अनेक केन्द्रो में पाया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में चल रही गफलत बाजी के चलते वह योजनाएं जहां असफल साबित हो रही है, वही दूसरी ओर बच्चों का पोषण होने की जगह व अपोषित होते चले जा रहे है? जबकि शासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रो में अध्यन करने वाले बच्चों के नियम से अलग अलग दिन के हिसाब से खाना मिलना चाहिए, मगर सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन आंगनबाड़ियों में अध्ययन करने वाले अनेक बच्चों के अभिभावकों को पता नही है कि आज उनके बच्चों को अलग से कुछ मिला है कि नही..। क्योंकि बच्चों द्वारा घर जाकर वही बताया जाता है कि जो रोज मिल रहा है वही आज मिला है। इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र के अनेक आंगनवाड़ी केन्द्रों मे काम करने वाली कार्यकर्ताओं ने दबे सुर मे अपना नाम उजागर न करने की बात पर अपनी परेशानियां बताई जो गंभीर है? इनके विभागीय अधिकारियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है और मांग पूरी न होने पर इन्हें डराया धमकाया जाता है और तो और इन्हे नौकरी से निकाल देने का भय भी दिखाया जाता है, इसके चलते कुछ स्थानों की स्थिति तो यह बने है कि केन्द्रो में जितने बच्चे उपस्थित नही रहते है, उनका भी भोजन बनाने का रिकार्ड दर्ज कर काफी हद तक गोलमान किया जाने की जानकारियों मिलना आम बात होती चली जा रही है? इतना ही नही यदि कोई आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता व इनको भोजन देने वाले समूह द्वारा इस पर अपत्ति ली जाती है तो अधिकारियों द्वारा उन्हे धमकी देकर मुंह बंद कर दिया जाता है? वही कुछ अधिकारियों द्वारा तो शासन के धन पर अपना कब्जा करे हुए शासन की योजनाओं को खुलेआम पलीता लगाया जा रहा है? इस प्रकार से यदि गौर किया जावे तो महिला विकास विभाग के लिए पोषण आहर योजना धन पान की खान बनी हुई है? यदि इस बात की सच्चाई को जानने के लिए कोई बड़ा निष्ठावान अधिकारी क्षेत्र में संचालित होने बाली आंगनवाड़ी केन्द्रो का निरीक्षण करते हुए बच्चों से इसकी सच्चाई स्वयं पहुंचकर पूछे तो महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों सच्चाई पूर्णरूप से सामने ही नही बल्कि बच्चों के पोषण आहर को अपने कमाई की खान समझने वाले अधिकारियों की सच्चाई भी सामने आ सकती है।

सहायक संचालक ने पाली स्कूल पहुंच कर बच्चों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासन के आदेश अनुसार नये शिक्षा सत्र के शुभारंभ 15 जून से होना था मगर इस दिवस रविवार का अवकाश होने के चलते यह 16 जून सोमवार से ग्रीष्म अवकाश उपरांत स्कूलों मे बच्चों के आगमन शुरू हो गया है। स्कूल खुलने के पहले दिन साईंखेड़ा ब्लॉक की सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने बीआरसी संदीप स्थापक, बीएसी पवन राजोरिया, सीएसी सुरेन्द्र राजपूत के साथ समीपस्थ ग्राम पाली की शासकीय प्राथमिक शाला मे बच्चों का नये सत्र मे स्वागत किया एवं विद्यालय परिवार के साथ पौधारोपण करने के उपरांत तिथि भोज मे भी शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने बच्चों से संवाद करते हुए उनके शैक्षिक स्तर से जुडी जानकारी भी ली एवं प्रसन्नता जताने के साथ उन्होंने कहा कि यहाँ का माहौल पढ़ाई के लिए एकदम अनुकूल है। यहाँ के शिक्षकों सिराज अहमद सिद्धिकी एवं ब्रजेश श्रीवास ने बेहतर नवाचारो से विद्यालय को बेहतर बनाया है। इस अवसर पर विद्यालय मे प्रधान पाठक सिराज अहमद सिद्धिकी ने ब्लाक शिक्षा अधिकारी के पहली वार शिक्षण संस्था में आगमन के चलते उनका स्वागत किया।

प्रशासन की अनदेखी के चलते जहां तहां खुलेआम चल रहा है मिट्टी का अवैध खनन, राजस्व विभाग को पहुंच रही क्षति

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में चल रहे शासकीय कार्यो से लेकर निजी विकास कार्यो के लिये ठेकेदारों द्वारा अपने स्वार्थ के कार्य को पूर्ण करने के लिए जिस प्रकार से क्षेत्र में मिट्टी का अवैध खनन कराया जा रहा है उसके चलते शासन को राजस्व की क्षति पहुंच रही है? इस प्रकार से क्षेत्र में मशीनों के माध्यम से जिस प्रकार बडे स्तर पर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है उसके चलते प्रति दिन सैकड़ो डम्फर मिट्टी निकाली जा रही है मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते इस अवैध कार्य को जहां बल मिलते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर शासन को राजस्व की हानि भी पहुंच रही है? बताया जाता है कि नियम के अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति अपनी निजी जगह से इस प्रकार मिट्टी का खनन करता है तो उसकी भी उसे संबंधित विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य होती है..? वही नियम के जानमकारों का तो यह तक कहना है कि कोई भी व्यक्ति अपने अधिपत्य की भूमि से सिर्फ एक निर्धारित मात्रा तक निजी उपयोग होतु मिट्टी निकाल सकता है मगर उसे बेचने का अधिकार नही होता है और निधारित मात्रा से अधिक खुदाई की जाती है तो वह अवैध खनन की श्रेणी में मानी जाती है? मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से इस क्षेत्र में मशीनों के माध्यम से प्रति दिन सैकड़ो डम्फर मिट्टी निकाली जा रही है वह निश्तिच की नियम विरूद्ध दिखाई पड़ने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देते हुए दिखाई पड़ रही है? इस संबंध में बताया जाता है कि कुछ क्षेत्र के किसानों को इस प्रकार बाहर से आये हुए ठेकेदारों द्वारा धन को लालच देते हुए जहां उनकी निजी भूमि से खुलेआम भारी मात्रा में मिट्टी का खनन किया जा रहा है। वही कुछ जगहों पर तो शासकीय भूमि को खोदकर निकाली गई मिट्टी के चलते वहां पर जान लेवा गड्डे बनकर रह गये है जो आने वाले समय में इस क्षेत्र के लोगों के जीवन को संकट में डालने से नही चूकेगे? इस प्रकार से क्षेत्र में चल रहे बड़े स्तर पर मिट्टी के अवैध खनन को लेकर जब क्षेत्र के कुछ सरपंचों से पूछा गया तो उनके द्वारा भी इस प्रकार से चल रहे मिट्टी के अवैध खनन को लेकर किसी भी प्रकार की अनुमति प्रदान करने की बात को लेकर इंकार करते हुए बताया गया है कि पता नही इस प्रकार से इन ठेकेदारों द्वारा किसकी अनुमति से मिट्टी निकाली जा रही है?

एफएलएन रिफ्रेशर प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा।

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में शासकीय शालाओं मे कक्षा पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों का 3 दिवसीय गणित विषय का एफएलएन रिफ्रेशर विकास खंड स्तरीय प्रशिक्षण सुबह 9:30 बजे से साईखेड़ा के सरस्वती उ मा विद्यालय मे प्रारम्भ हो गया। बताया जाता है कि उक्त प्रशिक्षण हेतु बनाये गए अलग अलग बैच मे कुल 85 शिक्षक सहभागिता कर रहे है। प्रशिक्षण मे सहभागिता के लिये शिक्षकों को मार्गदर्शी पुस्तिका एवं टैबलेट के साथ बुलाया गया है। वही प्रशिक्षण मे सार्थक एप्प से शिक्षकों की उपस्थिति भी ली जा रही है। इस प्रशिक्षण का विधिवत शुभारंभ विद्या की देवी माँ सरस्वती की वंदना से किया गया। वही प्रशिक्षण के शुभारंभ मे साईंखेड़ा ब्लॉक की सहायक संचालक सुश्री सीमा डोंगरे ने कहा कि इस प्रशिक्षण को देने का उद्देश्य एफएलएन पर नित नए नवाचारों से शिक्षकों को अवगत कराना है। राज्य शिक्षा केन्द्र के आदेश अनुसार सभी शिक्षक प्रशिक्षण मे सक्रिय रहें एवं यहाँ लिए जा रहे ज्ञान को स्कूल मे अपने बच्चों को दें। इस दौरान उन्होंने कहा कि गर्मियों के अवकाश के बाद स्कूल पुनः प्रारंभ हो गए है। अब सभी आने दायित्वों का निष्ठा के साथ निर्वाहन करते हुये सभी शिक्षक स्कूलों मे बेहतर कार्य करें। इसी प्रकार से साईखेड़ा बीआरसी संदीप स्थापक ने कहा कि प्रशिक्षणों के आयोजन से शिक्षकों को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। शिक्षकों को चाहिए कि वे पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण लें और अपनी शंकाओ का भी समाधान करें। इस अवसर पर बीएसी मनीराम मेहरा एवं पवन राजौरिया ने भी प्रशिक्षण मे पंजीयन एवं सत्रों से जुडी जानकारियों से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि इस तीन दिन के प्रशिक्षण मे राज्य स्तर से प्रशिक्षित डीआरजी संजय अवस्थी, रामगोपाल श्रीवास, सुनील श्रीवास, सुरेश श्रीवास, राकेश मेहरा एवं अमित धाकड़ द्वारा शिक्षकों को एफएलएन मे गणित विषय की अवधारणाओ से अवगत कराते हुए उनकी विषय के प्रति समझ को विकसित किया जा रहा है। उनके द्वारा शिक्षकों का प्री टेस्ट भी कराया गया। प्रशिक्षण मे पहली एवं दूसरी पढ़ाने वाले अनेक शिक्षक सहभागिता कर रहे है।

सांगई मे स्कूल खुलने पर शिक्ष मधुसदून ने बच्चों को कराई शिक्षा संबंधी गतिविधियाँ

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सोमवार से नये शिक्षा सत्र के शुभारंभ के चलते जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सांगई के एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला मे ग्रीष्मकालीन अवकाश उपरांत स्कूल खुलने पर माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल ने घंटी बजाकर बच्चों को बुलाया एवं उनका तिलक लगाकर स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा ग्रीष्म अवकाश मे किये गए कार्यों से जुडी जानकारी ली गई एवं उनके प्रयासों को सराहा गया। इस प्रकार स्कूल खुलने के पहले दिन बच्चों ने खेल खेल मे गणित विषय मे अंक, संख्या ज्ञान एवं पहाड़े से जुडी गतिविधियों से अवगत कराने के साथ साथ शिक्षक द्वारा इस दौरान बच्चों से प्रतिदिन स्कूल आने की बात पर जोर दिया गया एवं शिक्षकों ने कहा कि प्रति माह कक्षावार सर्वाधिक उपस्थिति वाले बच्चों को सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रधानपाठक दशरथ प्रसाद जाटव, विवेक नाईक, सुरेश चौहान एवं श्रीमती किरणलता ठाकुर सहित अनेक बच्चे उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल मानिकपुर में किया गया संकल्प सभा का आयोजन

मोदी सरकार के 11 साल के सुशासन और गरीब कल्याण पर जोर

शहपुरा। भारतीय जनता पार्टी मंडल मानिकपुर में "विकसित भारत संकल्प सभा" का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र में मोदी सरकार के 11 साल के सुशासन और गरीब कल्याण की नीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्र पर तिलक वंदन और पुष्पांजलि के साथ हुआ।मंच पर आसीन अतिथियों का स्वागत साल और श्रीफल भेंट कर किया गया। गरीब कल्याण योजनाओं और 'विकसित भारत' के विस्तृत स्वरूप की जानकारी कार्यकर्ताओं को दी। उन्होंने विशेष उल्लेख करते हुए बताया कि करोड़ों गरीब परिवारों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मोदी सरकार के नेतृत्व में मिल रहा है, जो कांग्रेस ने कभी नहीं किया। महिला सशक्तिकरण पर भी जोर दिया, जिसमें महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और करियर में समान अवसर प्रदान कर सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत स्तर पर सशक्त बनाने की प्रक्रिया शामिल है।मण्डल उपाध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में 5 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को लाभ मिला है। उन्होंने 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने का संकल्प दोहराया। राजेन्द्र तिवारी ने कहा कांग्रेस के 50-60 वर्षों के शासन की तुलना मोदी सरकार के 11 वर्षों से करते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी गरीबों के कल्याण के बारे में नहीं सोचा, जो मोदी जी ने इन वर्षों में कर दिखाया है। मंडल अध्यक्ष गोलू हीरेंद्र मरावी ने अपने संबोधन में कहा कि विकास की योजनाएं भाजपा की देन हैं। उन्होंने 2004 में अटल सरकार द्वारा शुरू की गई

डिंडौरी जिले में पेयजल संकट पर NHRC सख्त, सरकार से चार हफ्तों में मांगी रिपोर्ट

अधिवक्ताओं की याचिका पर हुई सुनवाई नल-जल योजना की विफलता पर उठे सवाल

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में जारी भीषण पेयजल संकट पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (NHRC) ने सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई अधिवक्ता सम्यक जैन और मनन अग्रवाल द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद की गई है। आयोग ने मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग के प्रमुख सचिवों के साथ-साथ डिंडौरी कलेक्टर से चार सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि जिले में करोड़ों रुपये की लागत से शुरू की गई नल-जल योजना बुरी तरह असफल रही है। गांवों में आज भी लोगों को पीने का पानी नसीब नहीं हो रहा। निर्माण कार्य अधूरे हैं, पाइपलाइनें क्षतिग्रस्त पड़ी हैं, और कई स्थानों पर पंप खराब हैं जिनकी मरम्मत तक नहीं कराई गई है। कुछ गांवों में तो योजनाओं का उद्घाटन हो चुका है, लेकिन पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची।

याचिका में यह भी बताया गया है कि पर्याप्त बजट होने के बावजूद कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अधिकारियों-ठेकेदारों की मिलीभगत के चलते ग्रामीणों को आज भी जल संकट झेलना पड़ रहा है। महिलाओं और बच्चियों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे न केवल उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि उनकी शिक्षा और सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है।

NHRC ने साफ कहा है कि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल तक पहुंच नागरिकों का मौलिक मानव अधिकार है, और यदि याचिका में लगाए गए आरोप सत्य पाए जाते हैं, तो यह एक गंभीर उल्लंघन होगा। आयोग ने चेतावनी दी है कि अगर समयसीमा में संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी।

याचिकाकर्ताओं ने शासन-प्रशासन से आग्रह किया है कि ग्रामीणों की पीड़ा को समझते हुए शीघ्र स्थायी समाधान निकाला जाए और दोषियों को कानून के तहत दंडित किया जाए। अब नजरें इस पर टिकी हैं कि राज्य सरकार इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाती है और कब डिंडौरी के प्यासे गांवों में राहत की बूंदें पहुंचती हैं।

बैगा बाहुल्य अंचलों में स्वास्थ्य की नई उम्मीद बनी मोबाइल मेडिकल यूनिट

पीएम जनमन योजना के तहत संचालित रथ ने 6 माह में 6811 ग्रामीणों को पहुंचाया उपचार

डिंडोरी।

जिले के सुदूर और वनांचल क्षेत्रों में बसे बैगा बाहुल्य गांवों में जहां स्वास्थ्य सेवाएं दशकों से उपेक्षित रहीं, वहीं अब पीएम जनमन योजना के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) ग्रामीणों के लिए संजीवनी बनकर उभरी है। आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित स्वास्थ्य अमले से सुसज्जित यह चलता-फिरता अस्पताल विगत छह माह में 6811 से अधिक ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध करा चुका है। 11 जनवरी 2025 से शुरू हुई इस सेवा ने बजाग, करंजिया, डिंडोरी, समनापुर और अमरपुर ब्लॉक की बैगा बसाहटों तक पहुंच बनाई है। मोबाइल यूनिट गांवों में जाकर मौके पर ही स्वास्थ्य परीक्षण करती है और निशुल्क दवाएं वितरित की जाती हैं।

राहतः इलाज वहीं, जहां बीमारी

जिन गांवों में आज तक स्वास्थ्य केंद्र की इमारत भी नहीं पहुंची, वहां यह मोबाइल यूनिट अब मरीजों की तकलीफें दूर कर रही है। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत यह यूनिट महीने में 24 दिन भ्रमण करती है। यूनिट में एक डॉक्टर, स्टाफ नर्स, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, लैब टेक्नीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट की टीम मरीजों को मौके पर ही इलाज उपलब्ध कराती है। मरीजों को 65 प्रकार की आवश्यक दवाएं निःशुल्क दी जाती हैं।

प्रमुख बीमारियों की पहचान और त्वरित उपचार

यूनिट के प्रभारी चिकित्सक डॉ. अभिषेक दीक्षित ने

बताया कि दूरस्थ अंचलों में विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया, गठिया, श्वसन संक्रमण, त्वचा रोग, खुजली और एक्जिमा जैसी बीमारियां अधिक देखने को मिल रही हैं। ऐसे रोगियों को न केवल दवाएं दी जा रही हैं, बल्कि जीवनशैली में बदलाव की सलाह भी दी जा रही है छह माह में कुल 6811 ग्रामीणों को स्वास्थ्य लाभ हुआ ।

जब एक सलाह ने खत्म किया वर्षों पुराना सिरदर्द

डॉ. अभिषेक दीक्षित ने बताया कि बैगाचक गांव में एक ग्रामीण सिरदर्द की गंभीर समस्या से पीड़ित था। वह वर्षों से इलाज करा रहा था, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। जांच के बाद पाया गया कि सिरदर्द का कारण नजर की कमजोरी है। डॉक्टर की सलाह पर जब ग्रामीण ने नेत्र परीक्षण करवा कर चश्मा लगाया, तो वर्षों पुराना सिरदर्द खत्म हो गया।

ग्रामीणों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

मोबाइल मेडिकल यूनिट न केवल इलाज कर रही है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में उम्मीद और विश्वास भी लौटा रही है। जो सेवा कभी कल्पना थी, वह अब उनके द्वार पर खड़ी है और यही इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है।

सांदीपनि स्कूल शहपुरा में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हुआ आयोजित

छात्र-छात्राओं का तिलक वंदन कर किया गया स्वागत

शहपुरा। जिले के शहपुरा विकासखंड मुख्यालय स्थित सांदीपनि विद्यालय में शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नए सत्र में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं

का विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। आपको बता दें कि 16 जून से नए सत्र की शुरुआत हो रही है इसके तहत आज शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान प्राचार्य यशवंत कुमार साहू, शिक्षिका नसीमा बानो, रूक्मणी मरावी सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

कटनी। कुठला पुलिस ने लापता बालिका को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया। पुलिस के अनुसार दस्तयाबी उपरांत अपहृत बालिका से पूछताछ की गई जिसके द्वारा बताया गया कि संतोष वंशकार द्वारा शारीरिक सम्बंध बनाने के फलस्वरूप गर्भवती हो जाने पर उज्जैन ले जाकर शादी करना तथा वहाँ से राजकोट ले जाकर पति पत्नी के तरह रहना बताई । अभियोक्त्री का शासकीय जिला चिकित्सालय कटनी से मेडिकल परीक्षण कराया गया है एवं अभियोक्त्री के कथन के आधार पर प्रकरण में धारा 87,64(2)**m**, 64(2)**i** **BNS**, 3,4,5**l**, 5**j**, 6 **POCSO Act** का इजाफा किया गया है। अभियोक्त्री का धारा 183 **BNSS** के कथन न्यायालय में कराए गए। आरोपी संतोष वंशकार उर्फ कल्लू निवासी लमतरा द्वारा गलत काम करना बताई जिसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश की और आरोपी संतोष वंशकार 20 वर्ष निवासी लमतरा फाटक को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया(न्यायालय आदेश से जिला जेल कटनी भेज दिया गया है।

ख़बर का असरः घटिया स्टॉप डैम निर्माण पर जनपद सीईओ ने लगाई रोक, जांच के आदेश

उपयंत्री और सहायक यंत्री पहुंचे मौके पर, निर्माण कार्य पर तुरंत लगाई गई रोक

शहपुरा।

शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम करौंदी के देवनाला में मनरेगा योजना के तहत बन रहे स्टॉप डैम में गड़बड़ियों की खबर सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। 5 लाख 46 हजार रुपए की लागत से बन रहे इस स्टॉप डैम में घटिया निर्माण और मनरेगा नियमों के उल्लंघन की खबर को हरिभूमि के संवाददाता द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) अरविंद बोरकर ने मामले का संज्ञान लिया। सीईओ के निर्देश पर उपयंत्री और सहायक यंत्री ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और प्रारंभिक स्तर पर अनियमितता पाई जाने पर तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य पर रोक लगा दी गई है। साथ ही सीईओ ने स्वयं स्थल का निरीक्षण कर विस्तृत जांच करने की बात कही है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि जांच में गड़बड़ियां पाई जाती हैं तो जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Narmada Bhoomi.pdf - 16 Jun 2025
ग्राम करौंदी में निर्माणाधीन स्टॉप डैम की गुणवत्ता पर सवाल, उपयंत्री की भूमिका संदिग्ध
ग्रामीणों की मांग

क्या है मामला?

देवनाला में बन रहे स्टॉप डैम का निर्माण कार्य ग्राम पंचायत करौंदी और ठेकेदार द्वारा करवाया जा रहा है। यह कार्य मनरेगा के तहत किया जाना था, जिसमें नियमों के अनुसार ग्राम के मजदूरों को रोजगार मिलना चाहिए। लेकिन यहां बाहरी मजदूरों से काम लिया जा रहा है, जो स्थानीय मजदूरों के साथ अन्याय है। मनरेगा के प्रावधानों के अनुसार ग्रामीण मजदूरों को साल में कम से कम 100 कार्य दिवस उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी बेहद खराब पाई गई है। डैम के बेस में बड़े-बड़े बोल्डर डाले गए हैं और उपयोग की जा रही गिट्टी डस्ट युक्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि न तो उपयंत्री और न ही पंचायत प्रतिनिधि गुणवत्ता पर ध्यान दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, उपयंत्री द्वारा मनचाहे ठेकेदारों को काम दिलवाया जाता है और बाद में कार्य का मूल्यांकन भी जल्दी करा लिया जाता है, जिससे गुणवत्ताहीन कार्य पर भी भुगतान हो जाता है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच पूरी न हो जाए, तब तक कार्य को पूर्ण रूप से रोका जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में विकास कार्यों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके।

समय-सीमा बैठक में योजनाओं की समीक्षा और अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर ने कलेक्ट्रेट सभागार में की विभागीय समीक्षा

डिंडौरी।

जिले के प्रशासनिक तंत्र को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर ने की। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, एसडीएम डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में राजस्व, खनिज, कृषि, खाद्य, पर्यटन, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पंचायत, वन, विद्युत सहित अन्य प्रमुख विभागों के लंबित प्रकरणों, योजनाओं की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सीईओ श्री राठौर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि समस्याओं का शीघ्र, प्रभावी और जनहितैषी समाधान प्राथमिकता पर किया जाए।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन व जल गंगा अभियान की भी समीक्षा

सीईओ ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं सीएम हाउस से प्राप्त जनशिकायतों की स्थिति की

समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की जानकारी भी ली और इसमें गति लाने पर बल दिया।

पीएमजीएसवाय और सिटी फॉरेस्ट पर विशेष ध्यान

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाय) के तहत सड़कों के किनारे वृक्षारोपण हेतु गड्ढों की खुदाई के कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही सिटी फॉरेस्ट डेवलपमेंट के संबंध में कार्ययोजना की जानकारी ली गई।

विद्युत विभाग को दी गई चेतावनी, बारिश पूर्व तैयारियां तेज करें

सीईओ ने विद्युत विभाग को वर्षा ऋतु से पहले झूलते तारों की मरम्मत और पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही की स्थिति में संबंधित अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।

नगर परिषद को सफाई और पेयजल व्यवस्था सुधारने के निर्देश

नगर परिषद के अधिकारियों को नियमित सफाई व्यवस्था बनाए रखने और पेयजल आपूर्ति को निर्बाध व सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

निर्माण कार्यों की समयसीमा तय, 30 जून तक पूर्णता के निर्देश

बैठक में सभी प्रगतिरत निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा करते हुए सीईओ श्री राठौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 30 जून 2025 तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

जिले में अवैध शराब की बिक्री पर सख्त रुख अपनाते हुए सीईओ ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगे और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संकल्प से सिद्धि तक विकसित भारत संकल्प सभा का बजाग में हुआ आयोजन

बजाग। भाजपा मंडल बजाग में मोदी सरकार के 11साल सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष वर्तमान प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य नरेंद्र सिंह राजपूत, सह वक्ता भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र दुबे, शोभित मरावी, वरिष्ठ भाजपा नेत्री ललिता धुर्वे द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामप्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के तेलीय चित्र पर तिलक वंदन और पुष्पार्पण कर कार्यक्रम का शुरुआत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए

भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम

ने मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ साथ आने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। जिसमें 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 23 जून डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस एवं 25 जून आपातकाल के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए कार्यक्रम को मंडल एवं मतदान केंद्रों में करने हेतु सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया। मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए

पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राजपूत

ने भाजपा की रीति नीति के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देने के साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज विश्व के चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया

है।मोदी सरकार में चल रहे गरीब कल्याण योजनाओं जन धन योजना, कौशल विकास योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री सड़क योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, लाड़ली बहना योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, जैसे अनेक मूलभूत योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि मोदी सरकार ने बिना किसी भेदभाव करे गांव के अंतिम छोर तक इन सभी योजनाओं का लाभ पहुंचाया। मोदी सरकार के संकल्प के बारे विस्तृत जानकारी हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जो वादा करती है उसे पूरा करती है। महिला सशक्तिकरण के बारे में बात करते हुए कहा कि महिलाएं आज आर्थिक,सामाजिक हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रही है।मोदी सरकार का संकल्प है कि देश सबका साथ सबका विकास और सबका सहयोग के साथ आने वाले 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करेगा।

उन्होंने बजाग मण्डल के कार्यकर्ताओं को सकारात्मक दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। सभा को संबंधित करते हुए

भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र दुबे

ने कहा पिछले 11वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में बिजली, पानी, सड़क, अनाज और आवास जैसी मूलभूत सुविधाऐं तेजी से आम लोगों तक पहुंचाई गई हैं, इसके साथ ही ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भारतीय सेना और विदेशनीति के लिए मोदी सरकार की प्रशंसा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष शोभित मरावी

द्वारा मोदी सरकार के कार्यकाल से पहले की स्तिथि और अभी वर्तमान में चल रहे मोदी सरकार के गरीब कल्याण से लेकर समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।अंत में इसके साथ ही भाजपा की रीति नीति और विचारधारा से प्रेरित होकर नए सदस्य डूमरटोला निवासी ब्रजमोहन परस्ते सहित अन्यजनों द्वारा भाजपा की सदस्यता लिया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री कमलेश पटेरिया एवं आभार महिला नेत्री श्रीमति ललिता मरावी ने व्यक्त किया।उक्त सभा मे वरिष्ठ नेता नीरज मुजवार, शंकर सिंह भदौरिया, मंडल महामंत्री कैलाश मरावी, व्यापारी प्रकोष्ठ संयोजक यशवन्त साहू,उपाध्यक्ष प्रमोद साहू,धर्मेंद्र पाल मानिकपुरी, सुभाष कुरचाम, अजीत सारीवान, मंडल मंत्री मोती सिंह धुर्वे,कार्यालय मंत्री दिगंबर पाठक, ओमप्रकाश साहू, नरेंद्र यादव,युवा मोर्चा जिला महामंत्री सौरभ सोनी, युवामोर्चा जिला मंत्री उत्तम साहू, सोशल मीडिया प्रभारी मनीष यादव , आकाश धुर्वे, मनोज सारथी, बोधन सिंह जीवन, कुलदीप नंदा, मंडल कार्यवाहक युवा मोर्चा दिनेश सोनी, ललिता धुर्वे, मंडल उपाध्यक्ष दुर्गा नंदा, प्रतिमा सारथी, सुदामा सुरेश्वर, सुदामा लोरिया एवं अन्य देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्लॉक आदिवासी कांग्रेस अमरपुर की बैठक संपन्न

अमरपुर। आदिवासी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर की बैठक अध्यक्ष केवल कृष्ण नेटी की अध्यक्षता एवं महेंद्र ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की उपस्थिति में आयोजित की गई। आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष द्वारा जानकारी दी गई कि आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया विधायक का आगमन रानी दुर्गावती शहीद दिवस 24 जून 2025 में सम्मिलित होंगे और 3 बजे सभा को संबोधित करेंगे। तत्पश्चात दिवारी ग्राम में बांध प्रभावित किसानों से 5 बजे चौपाल पर चर्चा करेंगे। वहीं 5:30 बजे कमकोमोहनियां में वीरांगना दुर्गावती मरावी स्थल पर मूर्ति स्थापना हेतु भूमि पूजन करेंगे। जिनके साथ ओमकार मरकाम विधायक डिंडौरी, रामू टेकाम प्रदेश अध्यक्ष, उमा शंकर सिद्राम जिला अध्यक्ष होंगे। आयोजित बैठक में प्रमुख रूप से राजेश पाटले जिला उपाध्यक्ष, चमरू सिंह चड़चड़िया ब्लॉक उपाध्यक्ष, छत्तर सिंह नेताम ब्लॉक सचिव, राम सिंह मरावी ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री, मत्ते सिंह पट्टा सेक्टर अध्यक्ष आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

पुलिस ने तलाशे 24 लाख कीमत के गुमे मोबाईल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस मोबाईल धारकों के मोबाईल गुम होनें के प्राप्त आवेदनों एवं सूचना पर गंभीरता से कार्यवाही करते हुये साईबर सेल के अधिकारी एवं कर्मचारियों की विशेष टीम गठित की जाकर गुम मोबाईलों के तलाश एवं पतासाजी हेतु निर्देशित किया गया था। साईबर सेल की गठित टीम द्वारा तकनीकी माध्यमों से गुम मोबाईलों की पतासाजी की गयी जिसके परिणाम स्वरूप लगभग 24 लाख मूल्य के 114 गुम मोबाईल वरामद करनें में सफलता प्राप्त की गयी है। उक्त गुम मोबाईलों को विभिन्न स्थानों से वरामद किया गया है। उक्त सभी वरामद मोबाईलों को पुलिस अधीक्षक, अति. पुलिस अधीक्षक, के द्वारा संबंधित मोबाईल धारकों को सौपे गये है। मोबाईल धारको द्वारा उनके गुम मोबाईल वापस मिलनें पर उनके चेहरे खुशी से खिल गए एवं उनके द्वारा पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया।

श्रद्धा दुबे का विदाभिनंदन एवं काव्य गोष्ठी सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला साहित्य सेवा समिति,नरसिंहपुर की 105 वीं मासिक काव्यगोष्ठी के दौरान सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रद्धा दुबे का विदाभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ। करेली स्थित पं. विद्याप्रसाद शर्मा वृद्ध सामुदायिक सदन में साहित्यकार पं. बाबूलाल दुबे की अध्यक्षता, वयोवृद्ध शुक्ला के मुख्यातिथ्य एवं पत्रकार अनुज ममार के विशिष्टातिथ्य में रखे गये उक्त कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन व मोहद के गीतकार मुकेश ठाकुर माधव द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। अतिथि स्वागत उपरांत समिति अध्यक्ष सतीश तिवारी सरस द्वारा स्वरचित अभिनंदन पत्र का वाचन किया गया। तदुपरांत शिक्षिका श्रद्धा दुबे का शाल श्रीफल के साथ अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मान किया गया।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस युवक मे अपने ही खेत फासी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र स्टेशनगंज के ग्राम ढूंडी पिड़रई निवासी जगदीश पिता राजेश राजपूज द्वारा अपने खेत सुपला हार मे जाकर फांसी लगा ली। पिता ने बताया कि बेटा मां से खेत जाने की कहकर घर से गया हुआ था जब पिता खेत पहुंचा तो बेटे को पेड़ से लटका हुआ पाया जिसकी सूचना पुलिस दी गई। पुलिस ने शव को पेड़ उतार कर शव को कब्जे मे लेकर जिला अस्पताल लाया गया एवं शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आत्महत्या के

जांच के नाम पर लटका मामला

अवैध सागौन जब्ती के मामले में संशय बरकरार

निर्माणाधीन मकान से की गई थी जब्ती

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। बीते ग्यारह माह पूर्व वन विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई थी। बरमान वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुकवारा में एक निर्माणाधीन मकान से अवैध सागौन 266 नग सागौन की चिरान और 57 नग चैखट-दरवाजे जब्त किए हैं, जिनमें से कुछ चैखट-दरवाजे घर में पहले से लगे हुए थे। यह कार्रवाई तकरीबन 6 घंटे मे की गई थी। जिसकी शेष कार्रवाई प्रस्तावति थी उक्त मामले मे जब्त की गई लकड़ी व दरवाजे के संबंध मे जानकारी लेने पर विभाग के अधिकारी बचते नजर आते है। सरकार द्वारा लाखों रूपये की राशि खर्च कर कर्मचारी अधिकारियों को तैनात किया गया है जिससे वनो को बचाया जा सके वही विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाह कार्यप्रणाली के कारण दिनो दिन वनों की कटाई हो रही है जिसमें रोक नही लग पा रहा है। वही बीते ग्यारह माह पूर्व वन विभाग की वन परिक्षेत्र बरमान की टीम द्वारा कुकवारा गांव मे दबिश देकर कार्रवाई की गई। जिसमे बड़ी संख्या में अवैध सागौन जब्त किया गया लेकिन उक्त ममाले की जानकारी देने मे वन विभाग के अधिकारी कतरा रहे है। वही सूत्रों की माने तो मामले को जांच के नाम पर लटकाया गया और कागजों मे हेरफेर कर जब्त की गई लकड़ी वापस कर दी गई है।

मामला इस प्रकार

बीती 14 जुलाई 2024 को वन विभाग द्वारा सूचना के आधार पर बरमान वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुकवारा में एक निर्माणाधीन मकान मे दबिश देकर 266 नग सागौन की चिरान और 57 नग चैखट-दरवाजे जब्त किए हैं, जिनमें से कुछ चैखट-दरवाजे घर में पहले से लगे हुए थे। यह कार्रवाई तकरीबन 6 घंटे मे की गई थी। इसके बाद जब्त की गई सामग्री को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर परिक्षेत्र कार्यालय ले जाया गया। आरोपी अचल घोषी निवासी कुकवारा के निर्माणाधीन घर से जब्ती की कार्रवाई मे बरमान वन परिक्षेत्र अधिकारी गौरव वानखेड़े सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर संदेह

वन विभाग द्वारा सूचना के आधार पर दबिश देकर जब्ती की कार्रवाई करते हुये जब्त किये गये माल को वन परिक्षेत्र बरमान लाया गया। जिससे शेष कार्रवाई को आये बढ़ाया जा सके परन्तु जांच के नाम पर मामले को लटकाया गया और कागजों मे हेरफेर करने की आशंका बनी हुई है। वही सूत्रों की माने तो विभाग द्वारा जांच के नाम पर मामले को लटकाया गया और बाद मे लकड़ी आरोपी को वापस की गई है। हालाकि विभागीय रूप से उक्त जानकारी की कोई सूचना नही है। सी सी एफ द्वारा जानकारी लेकर मामले मे स्पष्टीकरण देने की बात कही है। अब देखना होगा कि विभागीय जांच मे क्या हुआ है।

पूर्व की तरह ना हो जाये हेरफेर

वन परिक्षेत्र बरमान की टीम द्वारा कुकवारा मे अचल घोषी के निर्माणाधीन मकान से की गई कार्रवाई को लेकर कई प्रकार की चर्चा की जा रही है। लोगों का कहना है कि कहीं ऐसा ना हो वन विभाग के जिम्मेदार कर्मियों द्वारा पूर्व जैसे जब्त किये गये वाहनों को बदला गया था वैसे ही उक्त प्रकरण में हेरफेर ना कर दिया जाये। जिम्मेदार अधिकारी उक्त प्रकरण मे भी सूक्ष्मता से जांच कर कार्रवाई करें क्योंकि उक्त कार्रवाई मे भी पूर्व में हेरफेर करने वाले वनकर्मी शामिल है ?

कागजी कार्रवाई में देरी क्यों...

वन विभाग द्वारा कार्रवाई के उपरांत दी गई जानकारी मे बताया गया था कि आरोपी के निर्माणाधीन मकान से 266 नग सागौन की चिरान तथा 57 नग चैखट दरवाजा जब्त किये गये थे जिसके कोई दस्तावेज प्रस्तुत नही किये गये इसलिये वन विभाग द्वारा अवैध मानकर कार्रवाई की गई थी वन विभाग द्वारा मकान के सत्यापन का भी कोई उल्लेख नही किया गया था जिससे माना गया कि आरोपी द्वारा पुराने मकान का सत्यापन भी नही काराया गया था यदि सत्यापन हुआ होता तो वन विभाग को जानकारी होती व विभाग द्वारा कार्रवाई के दौरान उतनी लकड़ी की संख्या कम दर्शायी जाती। फिलहाल मामला उच्च अधिकारियों की नजर मे है अब देखना होगा कि क्या सामने आता है।

इनका कहना है

उक्त मामले जानकारी आपके द्वारा मुझे दी गई है उक्त संबंध मे मुझे कोई जानकारी नहीं है। में इसकी जानकारी लेता हूं। उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

मधु व्ही. राज सीसीएफ सिवनी

स्वास्थ्य शिविर कलेक्टर ने कराई अपने स्वास्थ्य की जांच

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में चलाये जा रहे स्वस्थ यकृत मिशन के तहत कलेक्ट्रेट के जनसुनवाई हॉल में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती पटले ने सरस्वती पूजन व दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान कलेक्टर ने अपनी स्वास्थ्य की जांच कराई। स्वास्थ्य शिविर में कुल 203 अधिकारी- कर्मचारियों की जांच की गई। स्वास्थ्य की जांच के दौरान 30 हाईपरटेंशन व 36 मधुमेह से ग्रसित पाए गए, जबकि 23 से अधिक बीएमआई और 68 ब्लड की जांच की गई। इस स्वास्थ्य शिविर में कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी- कर्मचारियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। स्वास्थ्य शिविर के दौरान

कलेक्टर ने यहां लगाये गये सभी काउंटरों का निरीक्षण कर शासकीय सेवकों के स्वास्थ्य परीक्षण का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सभी शासकीय सेवक अपने स्वास्थ्य का परीक्षण जरूर करवायें। साथ ही शासकीय कर्मचारी व अपने परिवार के सदस्यों का भी बीएमआई जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने की समझाइस दी। उन्होंने बताया कि नान अल्कोहल फैटी लीवर डिजीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें लीवर में वसा जमा हो जाती है, जबकि व्यक्ति शराब का सेवन नहीं करता। यह स्थिति मधुमेह, मोटापा, अनियमित दिनचर्या और खानपान की गलत आदतों से उत्पन्न होती है। उन्होंने बताया कि यदि समय रहते इसका निदान और इलाज नहीं होता है, तो यह सिरोसिस या लिवर कैंसर जैसी जटिल स्थितियों में बदल सकता है। इस दौरान कलेक्टर ने जनसुनवाई हॉल में लगाई गई स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शिविर में डॉ. प्रदीप मेहरा, डॉ. अनिल चैधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती भारती चैरसिया, जिला कम्युनिटी मोबिलाईजर मुकेश रघुवंशी, पैरामेडिकल स्टाफ, समस्त स्टॉफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, एएनएम, फर्मासिस्टम, आशा कार्यकर्ता आदि मौजूद थे।

अलग - अलग दो स्थानों पर कार्रवाई दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुयी थी कि तिंदनी-जरजोला हनुमान मंदिर रोड के पास में एक व्यक्ति अपने पास अवैध मादक पदार्थ स्मैक विक्रय करने के उद्देश्य से रखे हुये है, सूचना पर कार्यवाही करते हुए मुखबिर के बताये स्थान दबिश दी गयी एवं आरोपी कन्नू उर्फ करन विश्वकर्मा पिता महेन्द्र विश्कर्मा उम्र 22 साल नि. तिंदनी नरसिंहपुर के कब्जे से 07.40 ग्राम अवैध मादक स्मैक जप्त किया व आरोपी को गिरप्तार किया जाकर उसके विरूद्ध अपराध क्रमांक .464/2025 धारा 8/21 एन.डी.पी.एस.एक्ट का अपराध किया जाकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इसी प्रकार झिरना रोड शमशान घाट के पास से आरोपी आनंद चडार पिता थम्मन चडार उम्र 22 साल नि. गली न. 04 सांकल रोड नरसिंहपुर के कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त कर उसके विरूद्ध अपराध क्रमांक 465/2025 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस.एक्ट का अपराध किया जाकर विवेचना में लिया गया जाकर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

कथा वाचक प्रदीप मिश्रा पर कार्रवाई करें, कायस्थ समाज ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को कायस्थ समाज द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा भगवान चित्रगुप्त जी को लेकर दिए गए कथित अपमानजनक बयान से कायस्थ समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है। कथा वाचक पंडित श्री मिश्रा ने अपनी कथा के दौरान धर्मराज यमराज और भगवान श्री चित्रगुप्त जी का परिहास करते हुए उन्हें मुच्छड़ कह कर संबोधित किया और चित्रगुप्त जी से कहा अरे ऐ चित्रगुप्त तू सबका हिसाब रखना पर मेरा मत रखना, यह कथन न केवल असंवेदनशील था बल्कि सनातन धर्म के आराध्य देवों का अपमान भी था। जिला कायस्थ महासभा ने अपने ज्ञापन में कहा है कि पंडित मिश्रा के कथन ने न केवल

कायस्थ समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाई है, बल्कि यह पूरे सनातन धर्म की मर्यादाओं और परंपराओं का भी घोर अपमान है। सभा ने चेतावनी दी है कि यदि पंडित प्रदीप मिश्रा ने सार्वजनिक रूप से माफी नहीं माँगी, तो कायस्थ समाज लोकतांत्रिक तरीके से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होगा। सभा ने सभी कायस्थ बंधुओं और सनातन धर्म प्रेमी संगठनों से एकजुट होकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराने और प्रशासन से कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि धार्मिक परंपराओं का उपहास सहन नहीं किया जाएगा और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर सख्त रुख अपनाया जाएगा।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं पुण्य तिथि पर किया ब्लड डोनेट

तेंदूखेड़ा। सोमवार को पूर्व विधायक माननीय संजय शर्मा के पूज्य पिता स्व श्री उमाशंकर शर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोंसरा में रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 29 से अधिक लोगों ने ब्लड डोनेट किया। इसके पूर्व सभी वर्गों के लोगों ने राजमार्ग चौराहा पहुंच कर स्व उमाशंकर शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। एवं स्व कक्का जी के किसान हितैषी क्रियाकलापों सेवा कार्यों का विस्तार से उल्लेख करते हुए रक्तदान से बढ़कर कोई दूसरा दान नहीं होता। स्वस्थ्य मनुष्य को रक्तदान अवश्य करना चाहिए। वहीं उनके सुपुत्र पूर्व विधायक संजय शर्मा के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा की दिशा में समय समय पर वृहद स्तर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। मरीजों को बड़ी बड़ी अस्पतालों में निशुल्क इलाज के साथ आवागमन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। स्वास्थ्य सेवाओं के साथ शिक्षा खेल कूद सांस्कृतिक आध्यात्मिक धार्मिक सेवा भावी गतिविधियों का आयोजन भी किया जाता है।इस मौके पर पूर्व विधायक संजय शर्मा ने स्पष्ट किया कि रक्तदान से बढ़कर कोई दूसरा दान नहीं है। पीड़ित वर्ग को समय पर रक्त मिलने से उसकी जान बचाकर नवजीवन दान भी मिल जाता है। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे युवाओं ने वृहद स्तर पर ब्लड डोनेट किया।ब्लड डोनेट करने वाले दानियों को जिला चिकित्सालय द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।इस मौके पर नरसिंहपुर से आई ब्लड डोनेट बैन में डा प्रवीण संत डी आर पी नरसिंहपुर डा रामजीवन पटेल मेडिकल आफिसर रोंसरा एम एल चौधरी लैब टेक्नीशियन स्वाप्लिन चौरसिया तथा विष्णु बाल्मीक शेख शाहरुख बैन अटेंडेंट प्रमुख रुप से उपस्थित रहे।

जर्जर हो रहे पुलों का नहीं हो रहा कायाकल्प

तेंदूखेड़ा बरमान डोभी सड़क मार्ग पर इमझिरा के समीप बरांझ नदी पर तथा डोभी के समीप पांडाझिर नदी पर बने वर्षों पुराने पुल जर्जर हो चुके हैं। आये दिन हो रही विभिन्न घटनाओं और पुल के समीप बड़े बड़े गड्ढो के कारण पुलों का कायाकल्प होना बहुत जरूरी हो गया है। सड़क मार्ग के निर्माण के दौरान इन दोनों पुलों की भी ऊंचाई बढ़ाये जाने की मांग की गई थी लेकिन सेतु निगम के द्वारा इन पुलों की स्थिति को बदलने की दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की है। पुलों को बनें कई दशक हो गये हैं। तथा तेंदूखेड़ा से बरमान सड़क मार्ग पर इन पुलों से जहां प्रतिदिन भारी बाहनों के साथ साथ यात्री वाहनों और बीच-बीच में पड़ने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इमझिरा के समीप बने पुल पर कई बार गंभीर हादसे भी हो गये हैं। लोग असमय काल के गाल में भी समा गये हैं। लेकिन सार्थक दिशा में कोई उचित प्रयास नहीं हो रहें हैं।

हो रहा है मिट्टी का कटाव बरसात में हो जाती हैं सड़क बंद

सबसे बड़ी विडम्बना यह बनीं हुई है कि इन पुलों पर थोड़ी सी बरसात के कारण बाढ़ का पानी अधिक होने की स्थिति में पुल के ऊपर पानी हो जाता है और सड़क मार्ग भी एक से दो तीन दिन तक बंद पड़ा रहता है। लोगों को आवागमन में परेशानी भी हुआ करती है। अधिक पानी की स्थिति में पानी का तेज बहाव आजू बाजू की मिट्टी को भी खींचकर ले जाता है। और धीरे-धीरे एक बहुत बड़ा कटाव यहां पर हो गया है।जो ऊपरी सतह पर बनें शवदाह गृह और खेल ग्राउंड के लिए भी दुखदाई साबित हो सकता है।यही स्थिति डोभी के निकट पांडाझिर नदी पर देखने को मिला करती है। स्थानीय लोगों के द्वारा अनेकों बार इन पुलों की ऊंचाई बढ़ाये जाने की मांग तो की गई लेकिन उनकी आवाज नक्कारखाने में तूती की आवाज बन कर रह गई। क्षेत्र के सजग वर्ग ने एक बार फिर से इन दोनों पुलों की ऊंचाई बढ़ाये जाने की मांग की है।

नहीं बन सके स्टाप डेम

यहां पर सबसे बड़ी समस्या पुलों की निचाई को लेकर है वहीं गर्मी के समय उक्त नदियां सूख भी जाती है। चूंकि इन नदियों की पुनर्जीवन प्रदान करते हुए गहरी के साथ इन पर छोटे छोटे स्टाप डेम भी बन जाते तो निश्चित तौर पर काफी लंबे समय तक इनमें पानी रहने से लोगों का निस्तार जमीनीजलस्तर बढ़ाये जाने की दिशा में सार्थक पहल हो सकती है।आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों का जल स्तर बढ़ाने और कृषि क्षेत्रों में सिंचाई के लिए भी मददगार साबित हो सकती है।

तीन दिवसीय एफ एल एन प्रशिक्षण

तेंदूखेड़ा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं निपुण भारत कार्यक्रम अंतर्गत वुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल करने मध्यप्रदेश शासन की ओर से संचालित मिशन अंकुर कार्यक्रम के तहत विकासखंड स्तर पर कक्षा पहली एवं दूसरी मे गणित हिन्दी अग्रेजी विषय का अध्यापन कराने वाले शिक्षकों का तीन दिवसीय एफएलएन रिफ्रेशर प्रशिक्षण 16 जून से शुरू हो गया है।वी आर सी सुनील श्रीवास्तव ने बताया तीन चरणों में होने वाले 235 शिक्षकों प्रशिक्षण दिया जायेगा प्रशिक्षण लेकर आये मास्टर ट्रेनर्स अशोक किरार कमलेश शर्मा सतीश शर्मा नंदकिशोर शर्मा एवं नसरूद्दीन खान के द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।वी आर सी ने कहा इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को गणित को सरल और प्रभावी ढंग से पढ़ाने के तरीकों में कुशल बनाना है। प्रशिक्षण में शिक्षक विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियों जैसे कि खेल आधारित शिक्षा कहानी आधारित शिक्षा और दृश्य श्रव्य सामग्री का उपयोग करना सीखेंगे। इसके अतिरिक्त उन्हें

गणित की अवधारणाओं को स्पष्ट करने और छात्रों में समस्या-समाधान कौशल विकसित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को गणित के प्रति छात्रों के डर को दूर करने और उन्हें विषय में रुचि लेने के लिए प्रोत्साहित करने में भी मदद करेगा। साथ ही शिक्षकों को छात्रों के सीखने के स्तर का आकलन करने और तदनुसार शिक्षण योजना बनाने के तरीके भी सिखाए जाएंगे। कुल मिलाकर यह प्रशिक्षण शिक्षकों को गणित शिक्षण में अधिक आत्मविश्वास और प्रभावी बनने में मदद करेगा जिससे छात्रों को गणित में सफलता प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।